## हर्षोल्लास के साथ मनी दिवाली एवं मां काली पूजा

**देवघर ( आससे )।** देवनागरी देवघर एवं आसपास हर्षोल्लास के साथ दिवाली पर्व मनाया गया। लोग जागरूक होकर मिट्टी से बने दीप की खरीददारी करते दिखे। लोग, बाजार में पटाखे, मिट्टी के दीये, फूल, बेलपत्र, लावा, घरकुंडा, मिट्टी के खिलौने, बतासे, फल, नमक, धनिया, विद्युत सजावट की सामग्री, झाड़ू, महुआ तेल की प्रचुर मात्रा में खरीद-बिक्री करते नजर आये। लोगों ने अपने-अपने घरों में विद्युत सज्जा की। शाम होते ही देवघर जिले के लगभग प्रत्येक घर विद्युत सज्जा और मिट्टी के दीये से जगमगाते रहे। अमावश की अंधेरी रात दीपों की रोशनी से जगमगाते हुए ऐसा लग रहा था कि धरती के सारे अंधेरे मिट गए हैं। मंदिरों में भी लोगों ने दीप जलाये। शाम होने के बाद सभी दुकानदार और हिन्दू धर्म को मानने वाले लोग माता लक्ष्मी, गणपति और कुबेर देवता की पूजा अर्चना कर धन समृद्धि की कामना की। पान-सुपाड़ी, धूप-दीप, नैवैद्ध, फूल, बेलपत्र अर्पण कर माता लक्ष्मी, गणपति और कुबेर देवता को लोगों ने प्रसन्न कर सुख समृद्ध होने की प्रार्थना की। पूजा अर्चना

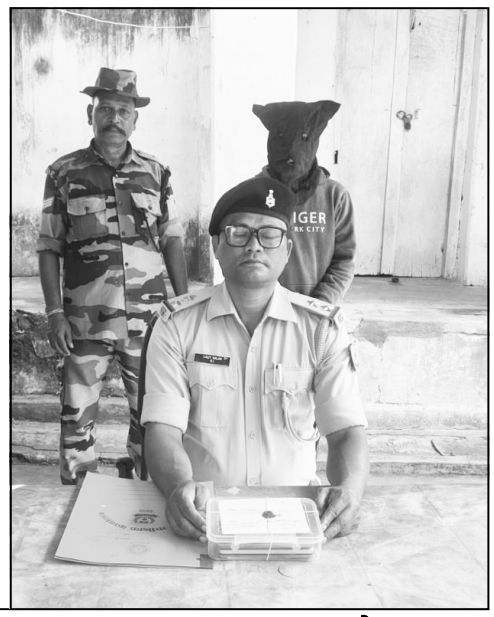


के बाद लोगों ने एक दूसरे को मिठाईयाँ बांटी और पटाखे फोड़ कर आनंदित हुए। एक दूसरे से गले मिलकर आने वाले वर्ष में पुन: एकसाथ मिलजुल कर पर्व मनाने की कामना की और एक दूसरे को बधाईयां और शुभकामनायें दी। रात्रि पहर में मां काली की जगह जगह पूजा अर्चना की गई और सुबह प्रसाद वितरण किया गया। लोगों ने मां काली की आराधना कर भय को मन से हमेशा के लिए दूर भगाने की प्रार्थना करते हुए सुख समृद्धि की याचना की।

**देवघर( आससे )।** देवघर सारवां मुख्य पथ पर स्थित श्री श्री 108 जागृत काली मंदिर में धूमधाम से हुई मां काली की पूजा। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भीड़ का आलम यह था की मंदिर का पूरा परिसर श्रद्धालुओं से भर गया था। उन्हें मंदिर परिवार के सदस्य बड़ी श्रद्धा के साथ प्रसाद का वितरण कर रहे थे। कोई धरती पर बैठकर प्रसाद ग्रहण कर रहा था तो कुछ श्रद्धालु जो बुजुर्ग थे और धरती पर बैठकर प्रसाद ग्रहण करने में असमर्थ थे उनके लिए कुर्सी की व्यवस्था की गई थी इसके बावजूद बड़ी संख्या में प्रसाद पाने के इंतजार में लोग खड़े थे। मंदिर के पुजारी ने बताया कि जागृत काली की स्थापना 100 वर्ष पूर्व उनके पूर्वजों ने की थी। यहां मां काली को प्रारंभ से बलि प्रदान की जाती है उसी का प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोग भीड़ लगाए रहते हैं। काली पूजा और बलि तो अमावस्या की रात में होती है जबकि प्रसाद का वितरण दूसरे दिन की सुबह से ही शुरू हो जाता है। देवघर में कई जगह प्रत्येक अमावस्या को काली पूजा होती है जबकि अधिक जगहों पर कार्तिक अमावस्याको पूजा होती है। यहां विश्वप्रसिद्ध बाबा मंदिर में स्थापित काली मंदिर में भी विधिविधान के साथ सरदार पंडा की मौजूदगी में पूजा की गई।

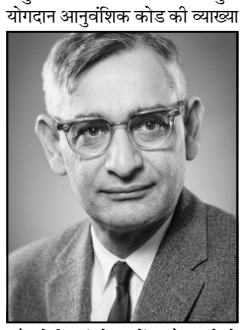
## मधुपुर थाना क्षेत्र से एक साइबर अपराधी गिरफ्तार

**देवघर ( आससे )।** पुलिस अधीक्षक देवघर, प्रवीण पुष्कर (भापुसे) के आदेशानुसार साईबर अपराधियों के विरूद्ध की जा रही लगातार कार्रवाई के आलोक में पुलिस उपाधीक्षक कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में 01 (एक) साईबर अपराधकर्मी को साइबर अपराध करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर देवघर जिला के मधुपुर थाना क्षेत्रअंतर्गत में कुछ संदिग्ध साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी तरीके से कस्टमर केयर प्रतिनिधि पदाधिकारी एवं Google पर Phonepe Customer Care के नाम पर आमलोगों को ठगी का शिकार बनाए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना के आलोक में की गई छापामारी के दौरान 01 (एक) साईबर अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से बरामद मोबाइल फोन/सिम के प्रारंभिक जांच में साइबर ठगी में संलिप्तता पाई गई है। दिपक कुमार दास, उम्र करीब 24 वर्ष, पे. जुगल दास, सा. आमतल्ला भेडवा, थाना मधुपुर जिला देवघर।



## 'डा. हरगोबिन्द खुराना का योगदान मानव कल्याण के लिए हमेशा अमर रहेगा'

**देवघर( आससे )।** डॉ. हरगोबिन्द खुराना का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में रायपुर (अब पाकिस्तान में) नामक एक छोटे से गांव में हुआ था। मौके पर साइंस एंड मैथमेटिक्स डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. खुराना के पिता एक साधारण पटवारी थे। अत्यंत सीमित संसाधनों और ग्रामीण माहौल के बावजूद, शिक्षा के प्रति उनकी निष्ठा और जिज्ञासा अद्भुत थी। उन्होंने मुल्तान के डी.ए.वी. हाई स्कूल से प्रारंभिक पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर से बी.एस.सी. और एम.एस.सी. की डिग्री हासिल की। भारत सरकार की छात्रवृत्ति प्राप्त कर वे 1945 में इंग्लैंड गए, जहाँ उन्होंने लिवरपूल विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में उच्च अनुसंधान किया। उनका सबसे प्रमुख योगदान आनुवंशिक कोड की व्याख्या



और प्रोटीन संश्लेषण में इसके कार्य को क्रैक करना था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि डीएनए के न्यूक्लियोटाइड किस प्रकार मिलकर 20 एमिनो एसिड्स का निर्माण करते हैं, जो शरीर में प्रोटीन बनाने के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस क्रांतिकारी खोज के लिए उन्हें वर्ष 1968 में मार्शल डब्ल्यू. निरेनबर्ग और रॉबर्ट डब्ल्यू. हॉली के साथ चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के बाद भी वे रुके नहीं। 1970 के दशक में उन्होंने प्रयोगशाला में दुनिया का पहला कृत्रिम जीन बनाकर पूरे विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया। कृत्रिम जीन का निर्माण आज के डीएनए सीक्वेंसिंग, जीन थेरेपी, और रीकॉम्बीनेंट डीएनए टेक्नोलॉजी का आधार बना। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कार्य करते हुए उन्होंने दृष्टि की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण अध्ययन किया। यद्यपि उन्होंने बाद में अमेरिकी नागरिकता ले ली थी और एम.आई.टी. में प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दीं, लेकिन उनकी जड़ें हमेशा भारत से जुड़ी रहीं। वे अत्यंत विनम्र, शांत स्वभाव के और अपने कार्य के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। भारत सरकार ने उन्हें 1969 में देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा। उन्होंने दुनिया भर के सैकड़ों शोधकर्ताओं और भारतीय छात्रों को मार्गदर्शन दिया। 9 नवंबर 2011 को मैसाचुसेट्स (अमेरिका) में 89 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ। उनकी की पुण्यतिथि केवल शोक व्यक्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उनकी वैज्ञानिक दृष्टि और समर्पण को याद करने का दिन है। उनका जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों और सीमित साधनों के बावजूद यदि दृढ़ संकल्प और ज्ञान की लगन हो, तो कोई भी व्यक्ति दुनिया की सर्वोच्च ऊंचाइयों को छू सकता है। डॉ. हरगोबिन्द खुराना का योगदान मानव कल्याण के लिए हमेशा अमर रहेगा।

## छठपर्व को लेकर पूर्व रेलवे ने शुरू की व्यापक तैयारी

**देवघर ( आससे )।** छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं. यात्रियों की सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूर्व रेलवे ने अपने चारों मंडलों हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा में विशेष परिचालन, सुरक्षा और यात्री सुविधा संबंधी व्यवस्थाएं की हैं.

महाप्रबंधक गीतिका पांडेय की पहल पर इस वर्ष विशेष रेल सेवाओं की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 20.13 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. पूर्व रेलवे की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक कुल 901 टीओडी (TOD) विशेष ट्रेनों के फेरे अधिसूचित किए गए हैं. जबकि वर्ष 2025 में कुल 750 विशेष फेरों का संचालन किया गया था. इस बार 626 आरक्षित और 275 अनारक्षित विशेष फेरे निर्धारित किए गए हैं. इसके अलावा काली पूजा और दिवाली के अवसर पर 8 से 11 नवंबर तक सियालदह मंडल में विशेष रात्रिकालीन उपनगरीय सेवाओं की संख्या भी 8 से बढ़ाकर 12 कर दी गई है. त्योहारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय यानी होल्डिंग एरिया का विस्तार



किया गया है. पूर्व रेलवे ने कुल प्रतीक्षालय क्षेत्र को 1,09,177 वर्ग फीट से बढ़ाकर 1,45,177 वर्ग फीट कर दिया है. इसमें हावड़ा स्टेशन पर 83,250 वर्ग फीट, सियालदह में 28,827 वर्ग फीट, आसनसोल में 29,450 वर्ग फीट और मालदा में 3,650 वर्ग फीट क्षेत्र शामिल है. यात्रियों को बेहतर सहायता उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त वाणिज्यिक कर्मचारियों की तैनाती में भी 22.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. पिछले वर्ष जहां 355 कर्मचारी तैनात थे, वहीं इस वर्ष इनकी संख्या बढ़ाकर 434 कर दी गई है. त्योहारी सीजन में टिकट लेने के दौरान यात्रियों को लंबी कतारों से राहत देने के लिए अनारक्षित टिकट काउंटरों और मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं का विस्तार किया गया है. हावड़ा स्टेशन पर अनारक्षित टिकट काउंटरों की संख्या बढ़ाकर 25 और मोबाइल टिकटिंग स्थलों की संख्या 16 कर दी गई है. यहां 39 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (ATVMs), 16 एमयूटीएस सहायक और 10 आरक्षित सहायक स्टैंडबाय पर रखे गए हैं.

**पूर्व मध्य रेल**

**ई. निविदा सूचना**

**ई–निविदा नोटिस सं०–07 ऑफ 2026–27/ खुला/गति शक्ति इकाई, डीडीयू**

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ आरएसपी/ महेन्द्रू घाट एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सक्षम ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

**निविदा सं०–07–डीडीयू– उप मुख्य परियोजना प्रबंधक– गति शक्ति इकाई – 26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के गतिशक्ति यूनिट के अंतर्गत AUBR, GAYA, IMGE एवं SEB स्टेशनों के माल गोदामों (Goods Sheds) में पहुँच मार्ग के उन्नयन, प्रदूषण नियंत्रण उपायों के प्रावधान एवं ग्राहक सुविधाओं के विकास से संबंधित सिविल इंजीनियरिंग कार्यों का शेष कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 102577847.18, **धरोहर राशि :** ₹ 2051600.00, **ई–निविदा हेतु बोली की तिथि एवं समय:** 27.11.2026 को 15:00 बजे तक। **वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रजी पाठ मान्य होगा।

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आरएसपी, महेन्द्रू घाट, पटना**

**पीआर/1284/डीओ०पू०–जीएस०/सीओएनजीटी/टी/26–27/40**

**पूर्व मध्य रेल**

**ई–निविदा सूचना**

**ई–निविदा सं.– सीआरडब्ल्यु–एचआरटी–एम–सीओएनजीटी–बीटी–16–2 दिनांक: 05.11.2026**

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित की जाती है।

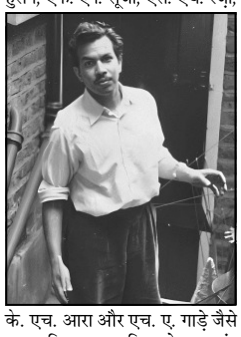
**1. कार्य का नाम एवं स्थान :** सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत एवं पूर्व मध्य रेल के विभिन्न कोचिंग डिपो में "वर्गाकार बायो–टॉयलेट को ट्रेपेजॉइडल (समलंब) आकार के बायो–टॉयलेट में बदलने के काम के लिए मैकेनिकल गतिविधियों की आउटसोर्सिंग का कार्य। **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू. 26,05,33,636.48/– (रू. छब्बीस करोड़ पाँच लाख तैतीस हजार छः सौ छतीस एवं अड़तालीस पैसे मात्र)। **3. निविदा प्रपत्र की राशि :** शून्य, **4. अग्रधन की राशि :** रू. 52,10,700.00 (रू. बावन लाख दस हजार सात सौ मात्र)। **5. निविदा कागजात जमा करने की एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय :** निविदा ऑन लाइन **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर प्रस्तुत की जानी है। निविदादाताओं द्वारा निर्धारित तिथि 25.11.2026 को 11:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दी जाय एवं उसी दिन 11:15 बजे निविदा खोली जायेगी। **5. वेबसाइट का विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा का पूर्ण विवरण इत्यादि देखा जा सकता है :** निविदा सूचना पात्रता मान दंड तथा निविदा प्रलेख क्रिस के वेबसाईट CRIS website: **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है एवं सूचना की पूर्ण जानकारी के लिए मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत, नालंदा, बिहार–803110 के नोटिस बोर्ड में देखें। यदि जरूरी हुआ तो शुद्धि पत्र वेबसाइट पर अपलोड होगा।

**उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत**

**पीआर/1285/एचआरटी/एमईसीएच/टी/26–27/48**

## 'चित्रकार, मूर्तिकार और शिल्पकार के रूप में सदानंद बकरे का योगदान स्वर्णाक्षरों में दर्ज है'

**देवघर ( आससे )।** सदानंद जी. बकरे आधुनिक भारतीय कला परिदृश्य के उन अग्रणी दिग्गजों में से एक हैं, जिन्होंने पारंपरिक भारतीय कला शैलियों की सीमाओं को तोड़कर आधुनिकतावादी चेतना को एक नई दिशा दी। उनका जन्म 10 नवंबर, 1920 को बड़ौदा, गुजरात में हुआ था। मौके पर स्थानीय ओमसत्यम फाइन आर्ट्स के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा चित्रकार, मूर्तिकार और उत्कृष्ट शिल्पकार के रूप में सदानंद जी. बकरे का योगदान आधुनिक भारतीय कला के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। उनकी जयंती के अवसर पर, कला जगत उनके अप्रतिम योगदान, निर्भीक अभिव्यक्ति और कलात्मक प्रयोगों को आदरपूर्वक याद करता है। बाल्यावस्था से ही उनकी रुचि कला, विशेषकर मिट्टी और धातुओं से आकृतियाँ ढालने तथा रंगों के साथ प्रयोग करने में थी। उन्होंने मुंबई स्थित प्रसिद्ध सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स में प्रवेश लिया। यहाँ उन्होंने मूर्तिकला का औपचारिक अध्ययन किया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने अकादमिक शैली की पारंपरिक मूर्तिकला में निपुणता हासिल की, लेकिन उनका मन पारंपरिक यथार्थवाद के बजाय आधुनिक और अमूर्त रूपों की ओर अधिक आकर्षित था। भारतीय कला इतिहास में 1947 का वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, जब मुंबई में बॉम्बे प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप की स्थापना हुई। सदानंद बकरे इस ऐतिहासिक समूह के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। इस समूह में एम. एफ. हुसैन, एफ. एन. सूजा, एस. एच. रज़ा,



के. एच. आरा और एच. ए. गाड़े जैसे महान चित्रकार शामिल थे। सदानंद बकरे इस समूह के इकलोटे और प्रमुख मूर्तिकार थे। इस समूह का मुख्य उद्देश्य कला को औपनिवेशिक और पारंपरिक रूढ़ियों से मुक्त कर आधुनिक विचारों, स्वतंत्रता और अंतर्राष्ट्रीय चेतना के साथ जोड़ना था। बकरे ने अपनी मूर्तियों और चित्रों के माध्यम से इस सोच को जीवंत किया। 1951 में वे ब्रिटेन (लंदन) चले गए, जहाँ उन्होंने लगभग दो दशकों तक काम किया। लंदन में उन्होंने यूरोपीय आधुनिकतावाद को करीब से देखा और अपनी कलात्मक शैली को एक नई ऊँचाई दी। लंदन प्रवास के दौरान मूर्तिकला के साथ-साथ उन्होंने कैनवास पर चित्रकारी में भी गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने लंदन की प्रसिद्ध गैलरी सेंट जॉर्ज गैलरी और कैवेंडिश गैलरी में अपनी मूर्तियों और चित्रों की एकल प्रदर्शनी आयोजित कीं, जिन्हें यूरोपीय कला समीक्षकों और कला प्रेमियों द्वारा अत्यधिक सराहा गया। उनकी कलात्मक शैली किसी एक दायरे में सीमित नहीं थी। वे मूर्तिकला और चित्रकला दोनों माध्यमों पर समान अधिकार रखते थे। वे मुख्य रूप से कांस्य, टेराकोटा, पत्थर और लकड़ी का उपयोग करते थे। उनकी मूर्तियों में त्रि-आयामी संरचना, अमूर्त आकार और कठोर रेखाओं का अनूठा संतुलन देखने को मिलता है। उन्होंने ज्यामितीय आकारों का उपयोग कर मानव आकृतियों को आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया। उनके चित्रों में बोल्ड रंग, गाढ़ी परतें, और वास्तुकला संबंधी संरचनाएँ प्रमुख थीं। लंदन के शहरी परिदृश्य, इमारतों के ढाँचे और अमूर्त आकृतियाँ उनके चित्रों का मुख्य विषय रहीं। 1980 के दशक में वे भारत लौट आए और महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में स्थित मुरुड-हांजीरा के शांत वातावरण में बस गए। जीवन के अंतिम दौर में भी वे कला साधना में लीन रहे। 2004 में उन्हें बॉम्बे आर्ट सोसाइटी द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 2007 में उनके निधन के बाद भी, उनकी कृतियाँ दुनिया भर के प्रमुख संग्रहालयों जैसे कि नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट और प्रसिद्ध निजी कला संग्रहों की शोभा बढ़ा रही हैं। उनकी जयंती हमें यह याद दिलाती है कि कला केवल प्रतिलिपि बनाना नहीं, बल्कि नए विचारों और माध्यमों को खोजने का नाम है। उन्होंने एक ऐसे समय में आधुनिक मूर्तिकला और चित्रकला का रास्ता चुना जब भारत में आधुनिक कला अपनी पहचान तलाश रही थी। एक सच्चे शिल्पकार और आधुनिकतावादी के रूप में, सदानंद बकरे का जीवन और उनका कार्य आने वाली पीढ़ियों के कला-साधकों को हमेशा निर्भीकता, नवाचार और निष्ठा के साथ कला-सृजन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

## भाजपा ने किया राहुल गांधी का पुतला दहन

**देवघर( आससे )।** भारतीय जनता पार्टी की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती विजया सिंह के नेतृत्व में टावर चौक देवघर में किया गया। जिला उपाध्यक्ष विजया सिंह ने कहा झारखंड सरकार के मंत्री डॉ इरफान अंसारी द्वारा भारत विरोधी बयान और तख्ता पलट की साजिश और उन्होंने जो बयान दिया है की कि हमारे नेता राहुल गांधी के पास 40 लाख युवा तैयार है जिसके एक ही इशारे पर भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसा अराजकता पैदा कर सकता है। डॉ इरफान अंसारी के बयान से साफ पता चलता है कि कांग्रेस और राहुल गांधी की बड़ी षड्यंत्र और साजिश है,देश में अराजकता फैलाने की हो रही है। महामंत्री अभयानंद झा ने भी कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने पूरे देश में विदेशी ताकत से मिलकर देश में एक अराजक माहौल पैदा करना चाह रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी को विदेश से फंडिंग किया जा रहा है और राहुल गांधी पाकिस्तान और चीन का एजेंट बनकर भारत को बर्बाद करने की साजिश कर रही है। राहुल गांधी को भारत और भारतीयता से कोई लेना-देना नहीं है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष मुकेश पाठक, जिला मंत्री सुलोचना देवी मनोज मिश्रा अलका सोनी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष दुबे अतुल सिंह, नगर अध्यक्ष सोनाधारी झा सावित्री देवी उमाशंकर प्रजापति कुसुम सिंह संध्या कुमारी विष्णु रावत आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

### अवैध बालू परिवहन में ट्रैक्टर जब्त, दो गिरफ्तार

**सिरदला ( नवादा ) ( संसू )।** थाना पुलिस ने अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर डाला के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नरहट थाना क्षेत्र के खनवां गांव निवासी स्वर्गीय आदित्य पांडे के पुत्र बेदमानी पांडे के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, अवैध बालू परिवहन के मामले में आरोपित को ट्रैक्टर डाला के साथ पकड़कर थाना लाया गया।





## वर्गीकृत

### Name Change

I, hitherto known as Mohammad Fakruddin (Old Name) Son of Md Iftekhar Ahmad (father name) residing at Mahesh Asthan P.O.-Ratwara Bindwara, P.S.-Aurai Distt.-Muzaffarpur (Residential address) have changed my name and shall hereafter be known as Mohammad Fakhruddin (New Name). It is certified that I have complied with name and legal requirements in this connection.

### नाम परिवर्तन

मैं, अविनाश कुमार शर्मा, पुत्र अम्बिका प्रसाद शर्मा, निवास-बिग्रहपुर बस स्टैण्ड के पास, पटना-800001 शपथ पत्र सं. 94 ता. 30.10.26 द्वारा यह घोषणा करता हूं कि अविनाश कुमार शर्मा एवं अविनाश कुमार दोनों नाम मेरा ही है। मैं इन दोनों नामो से जाना एवं पहचाना जाता हूं। मेरा ICICI Bond No. 4325858 है।

**CM-07812**

### Affidavit

I, RAJENDRA KUMAR, S/o – RAM EKBAL SINGH, R/o – Rewai, Mau, Gaya, Bihar – 824235. Do hereby solemnly affirm and declare that in my son's (ASHISH RANJAN) Aadhaar card his name is mentioned as PRINCE KUMAR. But, in his educational documents of class 10th (CBSE) and in intermediate (BSEB) his name is mentioned as ASHISH RANJAN. Here, both the names PRINCE KUMAR and ASHISH RANJAN belong to the names of my same son. And, from now in his future he will be known as ASHISH RANJAN for all his legal purposes. Affidavit no. – 10 Date: - 16/10/2026.

### Name Change

I, AMARJEET KUMAR, S/o – LATE RAM SUNDAR SHARMA, R/o – Vill – Mirzapur, P.S. - Didarganj, P.O. – Rukunpur, Rukunpura, Fatuha, Patna, Bihar – 803201. Do hereby solemnly affirm and declare that in my son's (HARSHIT RAJ) birth certificate as well as in his school his name is mentioned as HARSHIT RAJ. But, in his Aadhaar card his name is mentioned as ARMAN RAJ. And, from now in his future he will be known as HARSHIT RAJ for all his legal purposes. Affidavit no. – 4492 Date: - 12/10/2026 .

### पाठकों से

'आज' में छपे किसी भी विज्ञापन के सम्बन्ध में पाठक स्वत: जांच करके कार्य करें। इसके संबंध में कोई भी दावा 'आज' प्रकाशन पर न होगा।

**प्रबंधक**

### शपथ पत्र

मैं, सौरभ विजय, पिता-रामानंद पासवान, निवास-ग्राम-सैदपुर, पो.-करौटा, थाना-सालिमपुर, जिला-पटना (बिहार)-803202, शपथ पत्र सं.-621 ता. 3.10.26 द्वारा यह घोषणा करता हूं कि आधार कार्ड में मेरा नाम सौरभ विजय है लेकिन मेरे मार्कशीट में मेरा नाम मनिकेश कुमार है, जो सही है। अब मैं मनिकेश कुमार के नाम से जाना एवं पहचाना जाऊंगा।

### शपथ पत्र

मैं, विनीत कुमार उर्फ विनोद कुमार, पिता जयप्रकाश सिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम छतवारा खाशपट्टी माधोपुर निझमा, जिला वैशाली, बिहार, शपथपूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरे आधार कार्ड में नाम विनोद कुमार तथा मतदाता पहचान पत्र एवं विद्यालय स्थानांतरण प्रमाणपत्र में नाम विनीत कुमार अंकित है। दोनों नाम मेरे ही हैं और मैं एक ही व्यक्ति हूं। आधार कार्ड में यह अंतर त्रुटिवश है। यह शपथपत्र संबंधित प्राधिकार के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु बनाया गया है।

### Name Change

I, AMIT KUMAR BHARTI, S/o – PAWAN KUMAR MANDAL, R/o – Village – Mahuar, katihar, Bihar - 854116. Do hereby solemnly affirm and declare that in my daughter's (ISHIKA BHARTI) Aadhaar card her name is mentioned as BHAVPRITA KUMARI. But, in her birth certificate as well as in her school her name is mentioned as ISHIKA BHARTI. Here, both the names belong to the names of my same daughter. And, from now in her future she will be known as ISHIKA BHARTI for all her legal purposes. Affidavit no. – 09 Date : - 26/10/2026.

### Affidavit

I, PRAMOD NANDAN PRASAD, S/o – SURYANANDAN PRASAD, R/o – Near S B School, Maula Bagh, Ara, Bhojpur, Arrah, Bihar – 802301. Do hereby solemnly affirm and declare that in my daughter's (PRISHA KUMARI) Aadhaar card her name is mentioned as RUNJHUN KUMARI. But, in her birth certificate as well as in her school her name is mentioned as PRISHA KUMARI. Here, both the names belong to the names of my same daughter. And, from now in her future she will be known as PRISHA KUMARI for all her legal purposes. Affidavit No. – 59604 Date: - 28/10/2026.

### AFFIDAVIT

I, SHAJDI RANGREJ D/o SULEMAN W/o MD.YUNUS NAYEEM R/o Almijan Nagar, Nohsa, Phulwari Sharif, Phulwari, PO: Phulwarisharif, DIST: Patna, Bihar - 801505, have changed the name of my minor daughter RANI PRAVEEN aged 16 years and she shall hereafter be known as RANI PRATHAM RANGREJ, I have changed only her name, not her religion.

### शपथ पत्र

मैं, रणविजय कुमार सिंह पिता स्व. बालेश्वर प्रसाद सिंह, स्थायी पता-ग्राम + पोस्ट-शंभूपट्टी, थाना- समस्तीपुर (नया कर्पूरी ग्राम), जिला-समस्तीपुर, पिन-848129 (बिहार), वर्तमान पता राजीव नगर, रोड नं.- 25ए, थाना- राजीव नगर, जिला पटना, पिन 800024, बिहार का निवासी हूँ शपथपूर्वक बयान करता हूँ कि पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम 'उज्जवल' अंकित है, अब मैं अपने पुत्र 'उज्जवल' के नाम में अपना सरनेम 'सिंह' अंकित करवाना चाहता हूं। अब से मेरा पुत्र 'उज्जवल' के जगह पर 'उज्जवल सिंह' के नाम से जाना व पहचाना जायेगा। Afdt no-3695 Date-05.11.2026

### NAME CHANGE

I, SANGITA KUMARI (संगीता कुमार), D/o–YAMUNA YADAV, R/o–Vill–Kamal Pipra, Ward No. – 02, P.O.–Nauwadih, P.S.–Pahadpur, Dist.–East Champaran, Bihar - 845458. Do hereby solemnly affirm and declare that in my Aadhar card my name is mentioned as SANGITA YADAV (संगीता यादव). But, in my birth certificate as well as in my School leaving certificate my name is mentioned as SANGITA KUMARI (संगीता कुमार). Here, both the names belong to the names of the same person. And, from now in my future I will be known as SANGITA KUMARI (संगीता कुमार) for all my legal purposes. Affidavit no. – 6928 Date: - 07/11/2026

### जयपुर–आसनसोल–जयपुर स्पेशल ट्रेन

उत्सव के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, 09719/09720 **जयपुर–आसनसोल–जयपुर** स्पेशल ट्रेन निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव, आवागमन की तिथियों और गठन के अनुसार चलेगी:–

| जयपुर–आसनसोल | | | (09719) (09720) | आसनसोल–जयपुर | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | आ. | प्र. | स्टेशन | आ. | प्र. | तिथि |
| 07.11.26 | – | 12.45 ↓ | जयपुर | 03.30 | – | 10.11.26 |
| | 18.40 | 18.42 | टूण्डला | 20.55 | 21.00 | |
| 08.11.26 | 09.00 | 09.10 | पटना | 05.10 | 05.20 | 09.11.26 |
| | 11.55 | 11.57 | किऊल | 01.18 | 01.20 | |
| | 14.58 | 15.00 | जसीडीह | 23.18 | 23.20 | |
| | 18.30 | – | आसनसोल ↑ | – | 21.00 | 08.11.26 |

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में गांधीनगर जयपुर, दौसा, बाँदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, इटावा, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, बख्तियारपुर, मोकामा, झाझा, मधुपुर और चितरंजन रेलवे स्टेशनों पर भी रुकेंगी। **चलने का दिन/तिथि: जयपुर से –**09719 दिनांक 07/11/2026 (शनिवार) को = 01 ट्रिप और **आसनसोल से–**09720 दिनांक 08/11/2026 (रविवार) को = 01 ट्रिप। **गठन:** एसी 2 टियर–02, एसी 3 टियर–08, शयनयान श्रेणी–05, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) – 02 और एसएलआरडी–02 = 19 कोच। **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

**मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक**

**पूर्व रेलवे**